तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी

Kendriya Vidyalaya Chikodi

(An Autonomous body under MHRD) Government of India

राजभाषा पत्रिका

‘गुंजन’

सत्र 2020-21

केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी

राजभाषा –पत्रिका सत्र 2020-21

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

अध्यक्ष

श्री सुधीर शर्मा
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी

श्री सोहन लाल
सचिव –राजभाषा कार्यान्वयन समिति
केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी

श्री रोहित चौधरी
सदस्य–राजभाषा कार्यान्वयन समिति
केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

☎ 080-25543757(DC)
25566360/25301227(AC/AO/FO)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय
[शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एवं स्वायत्त निकाय]
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, REGIONAL OFFICE
[Autonomous Body under Ministry of Education, Government of India]
के. कामराज मार्ग, बेंगलूर - 560042
K. KAMARAJA ROAD, BENGALURU - 560042
Website: https://robangalore.kvs.gov.in/ Email:admnkvsbgr@gmail.com

सन्देश

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात है कि केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी सत्र 2020-21 के लिए ई – पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों में साहित्यिक ,कलात्मक और पत्रकारीय क्षमता को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। यह उनमें विचार अभिव्यक्ति कौशल और रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करता है। यह विद्यालय के शिक्षण और शिक्षणेत्तर सहगामी क्रियाकलापों के गुणात्मक अभिवृद्धि का भी परिचायक होता है।

मैं विद्यालय के ई –पत्रिका के सफलता और सार्थकता हेतु बधाई शुभकमानाएं देता हूँ और विद्यालय के प्राचार्य , समस्त कर्मचारी गण और विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करता हूँ, एवं अभिभावकों को भी हमारी ओर से बधाई एवं हार्दिक शुभकामनायें प्रदान करता हूँ ।

धन्यवाद ,
जय हिंद

(सिरिमाला सांबन्ना)
उपायुक्त
केविसं बेंगलूरु

ಎಂ.ಜಿ.ಹಿರೇಮಠ ಭಾ.ಆ.ಸೇ.
M.G.HIREMATH I.A.S.

ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ

ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿ ಹಾಗೂ ಜಿಲ್ಲಾ ದಂಡಾಧಿಕಾರಿ
ಬೆಳಗಾವಿ ಜಿಲ್ಲೆ, ಬೆಳಗಾವಿ-590001
Deputy Commissioner and
District Magistrate, Belagavi, Karnataka
Off : 0831-2407200 / 2407273 ,
Fax : 0831-2452644 Resi : 2407222
E-mail : deo.belagavi@gmail.com

संदेश

मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी द्वारा वर्ष 2020-21 में द्वितीय राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है । हिन्दी भारतीय संस्कृति की सच्ची संवाहक व सम्प्रेषण का माध्यम है । किसी भी देश के विकास में उस देश की भाषा का अहम योगदान होता है । हमें यह प्रयास करना चाहिए कि रोजमर्रा का सरकारी कामकाज मूलतः हिन्दी में हो । मुझे उम्मीद है कि राजभाषा पत्रिका से हिन्दी के विस्तार को और बढ़ावा मिलेगा ।

मैं केन्द्रीय विद्यालय चिकोड़ी के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य श्री सुधीर शर्मा, सचिव एवं प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी) श्री सोहन लाल, विद्यालय के समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों, कार्मिकों एवं सम्पादक मंडल को राजभाषा पत्रिका के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ ।

(एम. जी. हिरेमठ)
जिलाधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट बेलगावी
व अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यालय चिकोड़ी,

सहायक आयुक्त महोदय का सन्देश

ಶ್ರೀ ಉಕೇಶ್ ಕುಮಾರ್ ಐ.ಎ. ಎಸ್
ಉಪ ವಿಭಾಗಾಧಿಕಾರಿ ಹಾಗೂ
ಉಪ ವಿಭಾಗ ದಂಡಾಧಿಕಾರಿಗಳು,
ಚಿಕ್ಕೋಡಿ ಉಪವಿಭಾಗ, ಚಿಕ್ಕೋಡಿ

Shri. Ukesh Kumar I.A.S
ASSISTANT COMMISSIONER &
SUB-DIVISIONAL MAGISTRATE,
CHIKODI SUB DIVISION, CHIKODI

Tel:(Off.) 08338-272132, (Resl.) 08338-272167, (Fax) 08338-272132, e-mail: ac.chikodi@gmail.com

शुभ संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी द्वारा राजभाषा पत्रिका '**गुंजन**' का प्रकाशन किया जा रहा है। भारत प्राचीन काल से भाषा, संस्कृति, कला विज्ञान के क्षेत्र में अत्यंत सम्पन्न राष्ट्र है। अनेक भाषाएँ एवं संस्कृतियां हमारे देश की विरासत है। सांस्कृतिक व भाषायी विविधता से भरे इस गौरवशाली देश में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण के बीच सदियों से हिन्दी संपर्क भाषा के रूप में स्थापित है और सम्पूर्ण देश को एकता के धागे में पिरोने का काम कर रही है। किसी भी देश की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में उस देश की भाषा का अहम योगदान होता है।

मैं केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य श्री सुधीर शर्मा, सचिव एवं प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(हिन्दी) श्री सोहनलाल, विद्यालय के समस्त शिक्षकों, कार्मिकों, विद्यार्थियों एवं संपादक मंडल को राजभाषा पत्रिका के संपादन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(युकेश कुमार)
सहायक आयुक्त एवं
नामित अध्यक्ष
केंद्रीय विद्यालय चिकोडी

केन्द्रीय विद्यालय
विधायक राजकीय मॉडल विद्यालय भवन
विपरीत पंचायत कार्यालय
निकट मिनी विधान सौध
चिकोड़ी ज़िला बेलगाम
कर्नाटक – ५९१२०१
Phone: 08338 - 273477

Kendriya Vidyalaya
MLA Govt. Model School Building
Opposite Taluka Panchayat Office
Near Mini Vidhana Soudha
Chikodi Distt. Belgaum
Karnataka – 591201
E-Mail: kvchikodi@yahoo.com

सन्देश

यह अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है कि केन्द्रीय विद्यालय चिक्कोड़ी अपनी द्वितीय राजभाषा पत्रिका '**गुंजन**' 2020-21 का प्रकाशन कर रहा है |

हिन्दी आज जन-जन की भाषा बन चुकी है | हमारे देश के अधिकांश भूभाग पर बोली जाने वाली हिन्दी केवल राजभाषा एवं संपर्क भाषा ही नहीं है बल्कि राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य कर रही है |

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा अपनी मौलिक रचनाओं को प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया है जो कि प्रसंशनीय कार्य है |

मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन बेंगलुरु संभाग के उपायुक्त श्री सिरिमाला सांबन्ना, सहायक आयुक्त श्री डॉ. एन. वसंत, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री एम.जी. हिरेमठ तथा नामित अध्यक्ष श्री युकेश कुमार को उनके अमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ | तथा केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव एवं प्रशिक्षित शिक्षक स्नातक (हिन्दी) श्री सोहन लाल एवं संपादक मंडल को राजभाषा पत्रिका '**गुंजन**' के संपादन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ |

सुधीर शर्मा

सुधीर शर्मा
प्रभारी प्राचार्य

सम्पादक की कलम से -

केन्द्रीय विद्यालय चिक्कोड़ी की राजभाषा पत्रिका के द्वितीय अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है यह पत्रिका बच्चों की सृजनात्मकता, शिक्षकों की कल्पनाशीलता का दर्पण है | विद्यालय के शैक्षिक व कार्यालयी कार्यों में हिन्दी का निरंतर अनुप्रयोग तथा विभिन्न बैठकों, कार्यशालाओं में हिन्दी में चर्चा, समीक्षा वास्तव में राजभाषा के लिए गौरव की बात है |

पाठ्य सहगामी क्रियाओं, एक भारत:श्रेष्ठ भारत, स्वच्छता सप्ताह, जागरूक सप्ताह एवं अन्य विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के द्वारा जिस तरह छात्रों का हिन्दी ज्ञान समृद्ध हो रहा है , हिन्दी पखवाड़ा के द्वारा जिस तरह छात्रों के हिन्दी भाषायी कौशलों को प्रदीप्त किया जा रहा है , वह राजभाषा हिन्दी के स्वस्थमय विकास को आधार देता है | हिन्दी पखवाडा की गतिविधियों में छात्रों व कर्मचारियों की सक्रीय भागीदारी तथा विजेताओं को पुरस्कृत करना व प्रमाण पत्र देना हिन्दी के समुचित विकास को बल देता है | विद्यालय में हिन्दीमय वातावरण की जिम्मेदारी सभी की है और ख़ुशी की बात है कि हम सब इसका यथोचित निर्वहन कर रहे हैं | हिन्दी देश का विकास है | हिन्दी के प्रति भारतेंदु हरिश्चंद्र की यह पंक्ति प्रेरणादायी है –

निज भाषा उन्नति अहै,सब उन्नति को मूल |
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिये को मूल |

अंत में इस पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी छात्रों, कर्मचारियों को हार्दिक धन्यवाद देते हुए यह आशा करता हूँ की राजभाषा हिन्दी के प्रति अपनी सकारात्मक सोच बरकरार रखेंगे | मैं प्रभारी प्राचार्य महोदय को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ कि जिन्होंने मुझे राजभाषा पत्रिका के संपादन का गुरुत्तर दायित्व प्रदान किया तथा समय-समय पर मार्गदर्शन किया |

सोहन लाल
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक – हिन्दी

हमारे बापू, हमारा देश, हमारी विचारधारा

हमारे बापू हम सब का गौरव गान,
हमारे बापू हमारे देश का मान ।
हमारे बापू एक निरुपम विचारधारा,
हमारे बापू एक अनुपम सितारा ।।

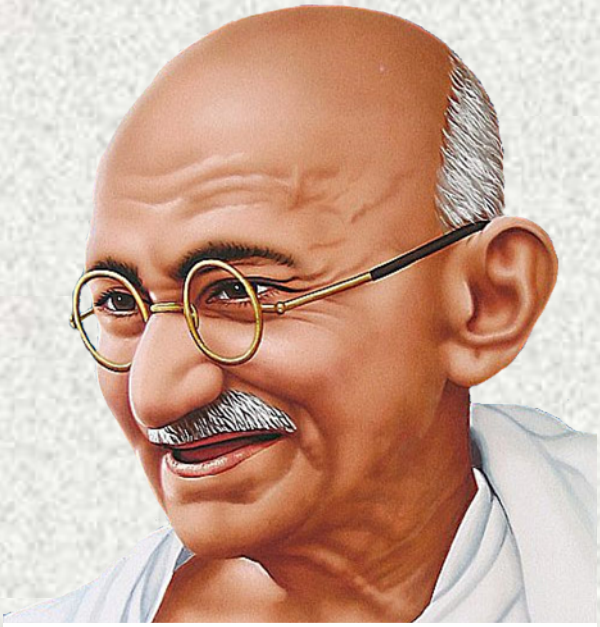

This Photo by Unknown Author is licensed under CC BY-

हमारे बापू हमारे प्यारे बापू,
हमारे बापू सबसे न्यारे बापू ।
हमारे बापू हमारी आज़ादी की पहचान,
हमारे बापू हम सब का अभिमान ।।

हमारे बापू इस विश्व के ज्ञाता,
हमारे बापू सत्य के विधाता ।
हमारे बापू अहिंसा के पुजारी,
हमारे बापू ज्ञान के भंडारी ।।

हमारे बापू, हमारा देश, हमारी विचारधारा,
हमारे बापू, हमारा भारत और यह विश्व प्यारा ।
हमारे बापू एक महापुरुष ,एक उन्मत्त विचारधारा का सहारा,
हमारे बापू एक सोच, एक नदी तथा एक अविरल सी धारा ।।

हमारे बापू ओ प्यारे बापू,
हमारे बापू ओ सबसे न्यारे बापू ।
हमारे बापू आ जाओ फिर से इस जग में,
हमारे बापू हम सोचे तुम्हें हर पल में ।।

हम सोचे तुम्हें हर पल में,
ओ बापू हमारे प्यारे बापू .....

श्री विकास
प्राथमिक शिक्षक

धैर्य

टीचर ने क्लास के सभी बच्चों को एक खूबसूरत टॉफ़ी दी और फिर एक अजीब बात कही:
सुनो, बच्चों! आप सभी को दस मिनट तक अपनी टॉफ़ी नहीं खानी है और ये कहकर वो क्लास रूम से बाहर चले गए।

कुछ पल के लिए क्लास में सन्नाटा छाया था, हर बच्चा उसके सामने पड़ी टॉफ़ी को देख रहा था और हर गुज़रते पल के साथ खुद को रोकना मुश्किल होरहा था। दस मिनट पूरे हुए और टीचर क्लास रूम में आ गए। समीक्षा की। पूरे वर्ग में सात बच्चे थे, जिनकी टॉफ़ीयां ज्यों की त्यों रखी थी, जबकि बाकी के सभी बच्चे टॉफ़ी खाकर उसके रंग और स्वाद पर टिप्पणी कर रहे थे। टीचर ने चुपके से इन सात बच्चों के नाम को अपनी डायरी में दर्ज कर दिए और उसके बाद बच्चों को पढाना शुरू किया।

इस शिक्षक का नाम प्रोफेसर वाल्टर मशाल था।

कुछ वर्षों के बाद प्रोफेसर वाल्टर ने अपनी वही डायरी खोली और सात बच्चों के नाम निकाल कर उनके बारे में शोध शुरू किया। एक लंबे संघर्ष के बाद, उन्हें पता चला कि उन सातों बच्चों ने अपने जीवन में कई सफलताओं को हासिल किया है और अपने क्षेत्र में बहुत ज्यादा सफल हैं। प्रोफेसर वाल्टर ने अपने बाकी वर्ग के छात्रों की भी समीक्षा की और यह पता चला कि उनमें से ज्यादातर एक आम जीवन जी रहे थे, जबकी कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्हें सख्त आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों का सामना करना पड रहा था।

इस सभी प्रयास और शोध का परिणाम प्रोफेसर वाल्टर ने एक वाक्य में निकाला और वह यह था:

"जो आदमी दस मिनट तक धैर्य नहीं रख सकता, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकता।"

इस शोध को दुनिया भर में शोहरत मिली और इसका नाम "मार्श मेलो थ्योरी" रखा गया था क्योंकि प्रोफेसर वाल्टर ने बच्चों को जो टॉफ़ी दी थी उसका नाम "मार्श मेलो" था। यह फोम की तरह नरम थी।

इस थ्योरी के अनुसार दुनिया के सबसे सफल लोगों में कई गुणों के साथ एक गुण "धैर्य'" पाया जाता है क्योंकि यह ख़ूबी इंसान के बर्दाश्त की ताक़त को बढ़ाती है जिसकी बदौलत आदमी कठिन परिस्थितियों में निराश नहीं होता और वह एक असाधारण व्यक्तित्व बन जाता है।

धैर्य ही जीवन का सार है।

श्री महेश जांगिड़
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (विज्ञान)

एक खिड़की

बहुत जरूरी है कि एक खिड़की हो,
जैसे कि मकां में , वैसे ही जहन मे ।
गर हो अन्दर अन्धेरा,
तो सकें झाँक बाहर रोशनाई में,
गर हो गई हो सीलन,
तो आने दे सकें हल्की हवा ।
हो सकता है अंधेरा ना मिटे, सीलन ना सूखे,
लेकिन होगी अगर खिड़की,
तो बनी रहेगी उम्मीद...
हवा के आने की और रोशनाई के ठहरने की,
उम्मीद ज़रूरी है .....
और खिड़की भी .....

श्री रोहित चौधरी
प्राथमिक शिक्षक

आदमी की औकात

फिर घमंड कैसा
घी का एक लोटा,
लकड़ियों का ढेर,
कुछ मिनटों में राख.....
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात !!!!

एक बूढ़ा बाप शाम को मर गया,
अपनी सारी ज़िन्दगी,
परिवार के नाम कर गया,
कहीं रोने की सुगबुगाहट,
तो कहीं ये फुसफुसाहट....
अरे जल्दी ले चलो कौन रखेगा सारी रात.....
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात!!!!

मरने के बाद नीचे देखा तो नज़ारे नज़र आ रहे थे,
मेरी मौत पे..... कुछ लोग ज़बरदस्त,
तो कुछ ज़बरदस्ती रोए जा रहे थे। न
हीं रहा.....चला गया.....
दो चार दिन करेंगे बात..... बस इतनी-सी है
आदमी की औकात!!!!

बेटा अच्छी सी तस्वीर बनवायेगा,
उसके सामने अगरबत्ती जलायेगा,
खुश्बुदार फूलों की माला होगी....
अखबार में अश्रुपूरित **श्रद्धांजली** होगी.....
बाद में कोई उस तस्वीर के जाले भी नही करेगा साफ़
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात ! ! ! !

जिन्दगी भर, मेरा- मेरा- किया....
अपने लिए कम ,
अपनों के लिए ज्यादा जिया....
फिर भी कोई न देगा साथ.....
जाना है खाली हाथ.... क्या तिनका ले जाने के लायक भी,
होंगे हमारे हाथ ??? बस
ये है हमारी औकात....!!!!

जाने कौन सी शोहरत पर
आदमी को नाज है!
जो आखरी सफर के लिए भी,
औरों का मोहताज है!!!!
फिर घमंड कैसा ?
बस इतनी सी हैं
हमारी औकात...

श्री जयराम यादव
प्राथमिक शिक्षक

नारी की वेदना

बहुत किया ये जुल्म तुमने , सहती रही बस दिल थामे ।
बढ़ती गयी लालसा तुम्हारी , फिर भी चुप थी ये मासूम नारी ।
पर अब मैं सहूँगी अत्याचार नहीं , टूट चुका वो बाँध सब्र का और कष्ट स्वीकार नहीं ।।

पहले मैंने माफ किया , पर इसे तुमने कमजोरी समझा ।
तोड़ दी तूने पराकाष्टा सहनशीलता की , और मुझको इतना मजबूर किया ।
रोक सकती मुझे अब कोई दीवार नहीं , टूट चुका वो बाँध सब्र का और कष्ट स्वीकार नहीं ।।

मिली आजादी देश को पर , कितनी नारी अभी गुलाम है ।
सभा में होता नारी का सम्मान , पर घर में होता अपमान है ।
होगा अब सम्मान से कोई खिलवाड़ नहीं , टूट चुका वो बाँध सब्र का और कष्ट स्वीकार नहीं ।।

नारी का अधिकार जताकर , खुद को मर्द समझते हो ।
जग जननी इस नारी का , क्या थोड़ा भी दर्द समझते हो ।
हूँ मैं भी इंसान कोई पशु का अवतार नहीं, टूट चुका वो बाँध सब्र का और कष्ट स्वीकार नहीं ।।

कभी सीता बनकर दी अग्निपरीक्षा , कभी दुर्गा बनकर बुराइयों का संहार किया ।
कभी माँ बनकर दी प्रथम शिक्षा , तो कभी पत्नी बनकर प्यार किया ।
तू ही बता क्या मैं बराबरी की हकदार नहीं , टूट चुका वो बाँध सब्र का और कष्ट स्वीकार नहीं ।।

पारस
कक्षा – 9 ब

स्वच्छता

किशोरों ने यह ठाना है,
भारत को स्वच्छ बनाना है ।

स्वच्छ रखो, सुंदर रखो, भारत देश विशाल;
आओ सथियो बनाए, हिंदुस्तान खुशहाल ।

आओ सब मिलकर चले ,
एक स्वर्णिम इतिहास रचे,

करो जतन हो जाए यह, सारा जग हैरान,
इस तरह से हो स्वच्छता की चमके हिंदुस्तान ।

घर कि करते हम नित्य देखभाल भरपुर,
और देश को भी करेंगे गंदगी से दूर ।

अनुष्का स कल्याणशेट्टी
कक्षा 7 A
केंद्रीय विद्यालय चिकोडी

मेरी माँ

एक कविता हर माँ के नाम

घुटनों से रेंगते- रेंगते, कब पैरों पर खड़ी हुई,

तेरी ममता की छाँव में जाने कब बड़ी हुई,

काला टीका दूध मलाई आज भी सब कुछ वैसा है,

मैं ही मैं हूँ हर जगह, प्यार तेरा कैसा है

सीधी-साधी, भोली-भोली,

मैं ही सबसे अच्छी हूँ।

कितना भी हो जाऊँ बड़ी , माँ!

मैं आज भी तेरी बच्ची हूँ।

मेरी माँ

जैनब
कक्षा- 4th B
अनुक्रमांक-06

अपना घर

बेवजह घर से निकलने की जरूरत क्या है,
मौत से आँखें मिलाने की जरूरत क्या है,
सबको मालूम है बाहर की हवा है कातिल
यूँ ही कातिल से उलझने की जरूरत क्या है,
दिल बहलाने के लिए घर में वजह है काफी
यूं ही गलियों में भटकने की जरूरत क्या है
जिंदगी एक नयामत है उसे संभाल के रखना
यूँ ही साँसो को गंवाने की जरूरत क्या है।

एहतेशाम

कक्षा- Vth B

चंदू ने सबक सीखा

एक लड़का था । उसका नाम चंदू था । उसे केले खाने का बहुत शौक़ था । वह केले खाकर छिलके इधर - उधर फेंक देता था । सबने कई बार समझाया , पर उस पर जरा भी असर न हुआ । एक दिन चंदू केला खा रहा था । केला उसके हाथ में था और छिलका उसने फेंक दिया था । उसी समय एक पतंग कटकर नीचे आ रही थी । चंदू एक हाथ में केला लिए दूसरे हाथ से पतंग पकड़ने के लिए दाौडा । उसका पैर केले के छिलके पर पडा़ । वह धड़ाम से जमीन पर गिर पड़ा । उसके सिर में चोट आई । उस दिन से चंदू केले के छिलके हमेशा कूड़ेदानी में डालने लगा ।

सबक:- जैसी करनी वैसी भरनी ।

नाम-श्रेया

कक्षा- VII A

अनुक्रमांक-10

दोस्ती

दोस्ती भी अजीब होती है

दोस्ती में हर खुशी नसीब होती है।

दोस्ती सब रिश्तों से ज्यादा होती है।

फिर भी दिल के करीब होती है।

जिन्दगी में दोस्त का होना बहुत जरूरी है।

दोस्ती जो निभाये वो फरिशता होता है।

दोस्ती की हर रीत को निभाना दोस्ती है।

दोस्ती में कभी धोखा न देना, ए दोस्त!

दोस्ती ही खुदा की परछाई होती है।

नाम- संस्कार
कक्षा- III A
अनुक्रमांक-31

कहानी

एक समय की बात है , एक गांव में ढेर सारे मुर्गे रहते थे। गांव के बच्चे ने किसी एक मुर्गे को तंग कर दिया था। मुर्गा परेशान हो गया , उसने सोचा अगले दिन सुबह मैं आवाज नहीं करूंगा। सब सोते रहेंगे तब मेरी अहमियत सबको समझ में आएगी , और मुझे तंग नहीं करेंगे। मुर्गा अगली सुबह कुछ नहीं बोला। सभी लोग समय पर उठ कर अपने-अपने काम में लग गए इस पर मुर्गे को समझ में आ गया कि किसी के बिना कोई काम नहीं रुकता। सबका काम चलता रहता है।

नैतिक शिक्षा – घमंड नहीं करना चाहिए। आपकी अहमियत लोगो को बिना बताये पता चलता है।

नाम–रोहित गुडगे
कक्षा 8th

दूध में दरार पड़ गई

खून क्यो सफ़ेद हो गया?
भेद मेंअभेद खो गया।
बँट गरी शहीद,गीत कट गए,
कलेजे में कटार दड़ गई।
दूध में दरार पड़ गई।

खेतों में वास्दी गंध
टूट गये नानक के चंध
सतलुज सहम उठी, व्यथित सी बीतस्ता है।
वसंत से बहार हो गई
दूध में दरार पड़ गई।

अपनी ही छाया से बैर।
गले लगने लगे ल है गेर
खुदकुशी का रास्ता, तम्हें वतन का वास्ता।
बात बनाएँ विगत गई।
दूध में दरार पड़ गई।

नाम: मान्यता
कक्षा: 9 ब
अनुक्रमांक:06

दोस्ती

ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे

हाथों में हाथ देकर आगे बढ़ेंगे ।

कभी ना समझो अपने आप को कम ये दोस्त किसलिए है,

तुम्हारे साथ है हम।

अच्छा लगता है जब वह कहते है यार यूं ही नही कहते वह,

होता है उनका हम पर प्यार।

जिंदगी के हर मोड पर देते है साथ कभी न भूलेंगे उन्हें,

याद आएगी उनकी कही गई एक-एक बात।

सन्मति एस पुजारी
कक्षा-6

जिन्दगी

काश, जिदँगी सचमुच किताब होती
पढ़ सकता मैं कि आगे क्या होगा?
क्या पाऊँगा मैं और क्या दिल खोयेगा?
कब थोड़ी खुशी मिलेगी, कब दिल रोयेगा?
काश जिदँगि सचमुच किताब होती,
फाड़ सकता मैं उन लम्हों को
जिनहोने मुझे रुलाया है...
जोड़ता कुछ पनने जिनकी
यादों ने मुझे हँसाया है...
हिसाब तो लगा पाता कितना
खोया और कितना पाया है?
काश जिदँगि सचमुच किताब होती,
वक्त से आँखों चुराकर पीछे चला जाता...
टूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाता
कुछ पल के लिये मैं भी मुस्कुराता,
काश जिदँगि सचमुच किताब होती।

मुहमदअझरुदिन अ राजगोली.
कक्षा : 10 अ.

“मेरा गाँव गंदगी मुक्त हो”

मैं और मेरी आजाद जिंदगी और स्वच्छ परिसर, स्वच्छ स्वास्थ्य,स्वच्छ पानी हर एक भारतीय नागरिक चाहता हैं। और सभी लोग अपना-अपना घर एकदम साफ सुथरा और अच्छा रखते है।

सभी नागरिक या घर के सभी सदस्य ऐसा सोचते है की
“मेरा गाँव गंदगी मुक्त हो”। लेकिन कोई साफ नहीं करता। सभी सरकार और प्रशासन को कोसते है। अपनी खुद की जिम्मेदारी और कर्तव्य सरकार और प्रशासन पर सोप देते है। और कहते है की हम तो इतना कर (टैक्स) देते है फिर सरकार क्यों आपन काम नहीं करती। गंदगी तो हम फैलते है।

संविधान के तहत मूलभूत अधिकार तो चाहिए लेकिन कर्तव्यों को दूसरों पर ढकेल देते है पर अब ऐसा नहीं चलेगा क्यों कि हवा,पानी, मिट्टी प्रदूषित हो रही हैं । उसका असर भौगोलिक परिस्थितियों पर असर हो रहा हैं। उसी कारण कहीं पर बाड़, बहुत बारिश, तो कही पर अकाल पड़ रहा है। उसका असर हम पर हो रहा है। हम गंदगी कर रहे है और दूसरों को कोस रहे हैं ।

हम आज से प्रतिज्ञा करते हैं की
“मैं खुद को बदल रहा हूं । मेरा पुरा गाँव गंदगी से मुक्त करके मैं अपने मूलभूत कर्तव्य का पालन करूंगा। हम सब पानी, हवा, मिट्टी को प्रदूषित होने से बचाऊंगा।“

हम घर का सूखा और गिला कचरा अलग-अलग करेंगे। घर के टूटे हुए वस्तुओं (कांच, प्लास्टिक आदि) को अलग करेंगे। हम प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल बंद करेंगे और उसके बदले में कपड़े से बने थैलियों का इस्तेमाल करेंगे। बाजार में छोटे-छोटे प्याकिंग वाले पाउच (शैंपू, तेल आदि) का इस्तेमाल कम करेंगे। हम प्लास्टिक डिब्बों का इस्तेमाल बंद करेंगे उसके बदले में स्टील के डिब्बों का इस्तेमाल करेंगे। पान की दुकानवालों को कहेंगे की आप जो पाऊच में बेचने वाले सभी पान मसाले आदि वस्तुओं को इधर उधर ना फेंके उसे डिब्बेमें फेंके और उसे जला दे।

हम सरकार द्वारा दिए गए योजनाओं का उपयोग करके हमारे गाँव में स्वच्छता के माध्यम में बहुत सुधार ला सकते हैं। हम नए शौचालय का निर्माण कर सकते है। हम हर एक हफ्ते में हर एक गली को साफ कर सकते है। हम कुछ लोगों के गण बनाकर नाले साफ करवा सकते है। हम ग्राम पंचायत के लोगों को नए सरकार द्वारा दिए गए योजनाओं को नागरिकों को बताने की व्यवस्था करके नागरिकों को जागरूक करवाये। गाँव के बाजार में पड़े हुए सब्जियों को हम गाय,भैंस आदि पशुओं को दे सकते हैं। जगह जगह पर कूड़ेदान रख सकते है।

हम नुक्कड़ नाटक, प्रचार प्रसार आदि के माध्यम से संदेश पहुँचा सकते है। नागरिकों को उत्साहित करने के लिए हम कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सकते हैं और प्राइज के तौर पर कुछ रकम या ट्राफी दे सकते हैं। हम खड्डे में भरे पानी को निकाल के खड्डे बुझा के नए आने वाली हजारों बीमारियों से भी बच सकते हैं। अगर हम हमारा गाँव स्वच्छ रखे तो हम सब कई हजारों बीमारियों से बच सकते हैं और हम सब स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रह सकते हैं।

“सभी रोगों की एक दवाई
गाँव में रखो साफ सफाई “

“धरती माता करेंगे पुकार ,
आस-पास का करो सुधार “

नाम- भक्ति भोसले
कक्षा- दसवीं ‘अ’
अनुक्रमांक- 06

अरमानो के पंख

सागर पर चलती लहरों सी
माटी में मिल जाऊं मैं
पंख लगे अरमानों के तो
चिड़ियों सी उड़ जाऊं मैं
अम्बर को मैं लक्ष्य मान
साधूँ उस पर तीर कमान
है नजर मेरी उस मंजिल पर
जहां पहुँचता हो सिर्फ दिनकर।

इन्द्र धनुष के सप्तरंगों में
तारों सी खो जाऊँ मैं
पंख लगे अरमानों के तो
चिड़ियों सी उड़ जाऊं मैं
इस इच्छा को मन में ठान
निकली मैं चलने दूर दराज-
नहीं रहे मन को दुनियां का भान
पहुंचूं उस वृत पर बनके ढाल
वन बागों के फल फूलों पर भंवरों सी गुंजाऊं मैं
पंख लगे अरमानों के तो
चिड़ियों सी उड़ जाऊं मैं ।।

नाम- इशुराज
कक्षा- 8 'ब'

भ्रष्टाचार

हिलने लगी धरती, आने लगे तूफान
जब आया भारत में भ्रष्टाचार।
पहले इसने किया नेताओं को भ्रष्ट
फिर हुआ आम आदमी त्रस्त
दूषित हुई धरती, प्रदूषित हुआ आसमान
जब आया भारत में भ्रष्टाचार।
फैल गया विष जैसे भारत में सारे
अब भारत को कौन उबारे।
रावण जैसा भ्रष्टाचार, भर देता अहंकार
मस्तिष्क को वश में है! कर लेता यह भ्रष्टाचार
मंहगाई, मिलावट, कालायन है इसके प्रकार
हटाओ भ्रष्टाचार –
अब हर आदमी की है
यही पुकार। अब तो हर जगह हो गया
है भ्रष्टाचार! पड़ोसी भी हो गये है भ्रष्ट
हम भारत के बच्चे, प्रण करते आज
हम मिटाएंगे इसे और फिर बनाएगे नया
समाज, फिर बनाएगें नया समाज!

निशिता

कक्षा – 7 अ

समय

समय है बहुत ही ख़ास

जो करता है मेहनत से काम

सफलता होती है उसके पास

समय कभी रुकता नहीं

समय किसी के आगे झुकता नहीं

समय आगे बढता जाए

कोई इसे रोक ना पाए

जो समय-समय पर अपना काम करे

जो मेहनत करने से ना डरे

हर काम में उसकी भगवान भी मदद करे

जो समय के महत्व को पहचाने

वह जीवन में कभी ना हारे

नाम –धैर्यशील

कक्षा – 6 अ

लोग जल जाते है

लोग जल जाते है

मेरी मुस्कान पर क्योकि

मैंने कभी दर्द की नुमाइश नहीं की ।

जिंदगी से जो मिला कबूल किया

किसी चीज की फरमाइश नहीं की ।

मुश्किल है समझ पाना मुझे क्योंकि

जीने के अलग है अंदाज मेरे

जब जहां जो मिला अपन लिया

ना मिला उसकी ख्वाहिश नहीं की ।

माना की ओरो के मुकाबले

कुछ ज्यादा पाया नहीं मैंने,

पर खुश हूँ कि खुद को गिरा कर

कुछ उठाया नहीं मैंने ।।।।

अनुष्का प्र कल्याणशेट्टी

कक्षा-नवमी

सुविचार

1. मनुष्य को हमेशा मौका नही ढूँढना चाहिए
क्योंकि जो आज है, वही सबसे अच्छा मौका हैं |

2. मनुष्य के पास जो नहीं हैं उसके लिए उसे दुखी नही होना चाहिए |
उसके पास जो है, जितना है, उसे उसी में खुश रहना चाहिए |

3. मनुष्य जब तक नहीं हारता
जब तक वह खुद से नहीं हार जाता |

4. जब तक हम किसी काम को करने की कोशिश नहीं करते
तब तक हमे वह काम नामुमकिन ही लगता है |

5. उठो जागो और तब तक मत रुको,
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए |

नाम – अद्विका
कक्षा– ४ ब

केंद्रीय विद्यालय

हम पढ़ते है जहाँ
हमारी जान वह केंद्रीय विद्यालय है ।
जहाँ सरस्वती का आवास है,
जिसके हर बात खास है ,
वह स्वर्ग हमारा केंद्रीय विद्यालय है ।

यह विद्यालयों का साम्राज्य है ।
जो विधा का साम्राज्य है ।
जहाँ पढ़ते हैं हजारों बच्चे ,
जो बनेंगें नागरिक सच्चे ।

यह ज्ञान का हैं एक सागर
जहाँ खिल रहे हजारों मोती ,
यह पढ़ाता जीवन की नीति हैं
हर दिन नवीन रंग और गीत हैं ।

यहाँ हर तरफ आनंद और उल्लास है
हमारी जान केंद्रीय विद्यालय है ।

प्रज्वल म पाटील -----
viii 'ब'

शिक्षक का महत्व

एक बार स्कूल का एक अध्यापक अपने शिष्यों को सूरजमुखी के बीज देकर उसका पौधा उगाने और उसकी देखभाल करने के लिए कहते है। सभी शिष्यों को यह कार्य ज्यादा पसंद नहीं आता लेकिन इनमे से एक शिष्य को ये कार्य बहुत बहुत प्यारा लगता है और वह बड़ी उत्सुकता से इन बीजो को बोता है और कई दिनो तक इनकी देखभाल करता है तब है जब पौधा उगना शुरू हो जाता है तब लड़का अपना संयम खो देता है और अपने अध्यापक के पास जाकर कहता है। क्या में इस पौधो को उखाड़ सकता हूँ अध्यापक अपने शिष्य से कहता है कि उसे अपने पौधे को लगा रहने देना चाहिए और उसकी देखभाल करते रहना चाहिए इससे वो केवल एक सूरजमुखी से कई बीज ले पयोगे , इससे लड़का निराश हो जाता है लेकिन सूरजमुखी कि देखभाल करता रहता है फिर भी वो इसे उखड़ने के लिये बेताब होता रहता है और अपने अध्यापक से इसे उखाड़ने कि अनुमति मांगता रहता है , इसके बावजूद अध्यापक उसे समय रखने पहला बीज निखलता है लड़का उस पौधे को तोड़ देता है ताकि उस खा सके लेकिन पौधा अभी हरा ही होता है और बीज अभी पका हुआ नहीं होता , इसलिए वह उसे नहीं खा पाता जिससे ये लड़का पौधे को तबाह कर देता है , इस प्रकार जिस सूजमुखी के पौधों के लिए वह इतनी मेहनत करता है और उसकी कई समय तक देखभाल करता है अपने गुरु का कहा ना मानने पर उसमे असफल रहता है। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें बड़ोकी बात मनानी चाहिए।

ईशिता -iv ब

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

मत मारो तुम कोख में इसको
इसे सुंदर जग में आने दो
छोड़ो तुम अपनी सोच पुरानी
एक माँ को खुशी मनाने दो
बेटी के आने पर अब तुम
घी के दिये जलाओ
आज ये संदेश पूरे जग में फैलाओ
बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ ।
लक्ष्मी का कोई रूप कहे है
कोई कहता दुर्गा काली
फिर कायोना कोई चाहे घर में
इक बिटिया प्यारी , प्यारी
धन्य कर दे जीवन सबका
जो तुम इस पर प्यार लुटाओ
आज ये संदेश पूरे जग में फैलाओ
बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ ।
ये आकाश में गोते लगाती
यही तो कहलाती मर्दानी
यही तो है कल्पना चावला
यही तो है झाँसी की रानी
इसको देखकर पूरी शिक्षा
अपना कर्तव्य निभाओ
आज ये संदेश पूरे जग में फैलाओं
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ।

हाथों में राखी ये बांधे
घर में बहू बन आए
बन कर बेटी शैतानी करे
माँ बनकर ये समझायँ
इसका तुम सम्मान कारों
और सब को यही सिखाओं
आज ये संदेश पूरे जग में फैलाओ
बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ ।

बिन बेठीके सोचो की
ये दुनिया कैसी होगी
न बहनों की राखी होगी
जिस कदम से रुक जाये दुनिया
वो कभी भी न उठाओ
आज ये संदेश पूरे जगमें फैलाओं
बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ ।

बदलो ये आदत हा जो
अब भी बदली , जाती
बेटी तो बांटे दौलत सारी
बेटी है दर्द बाटती
मत फर्ज से पीछे भागों
अपनी आवाज उठाओ
आज ये संदेश पूरे जगमें फैलाओं
बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ ।

यूसेरा रुकडीकर , नवीं अ

हिन्दी पखवाड़ा 2020

हिन्दी पखवाड़ा समारोह
दिनांक 09.09.2020 से 23.09.2020 तक

प्रतिवेदन

केंद्रीय विद्यालय संगठन बैंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्राप्त आदेश एवं प्राचार्य के निर्देशानुसार हमारे विद्यालय में दिनांक 09.09.2020 से 23.09.2020 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया।

दिनांक 09.09.2020 को प्राचार्य महोदय एवं वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम का श्रीगणेश किया गया तथा प्राचार्य महोदय ने सभी छात्रों और कर्मचारियों को हिन्दी के महत्व के बारे में बताया।

इस पखवाड़े के दौरान विद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए :-

क्र.स.	दिनाँक एवं दिन	हिन्दी प्रतियोगिता का विवरण	प्रतिभागी
1	09.09.20 / बुधवार	शुभारंभ एवं नारा लेखन प्रतियोगिता	छात्र
2	11.09.20 / शुक्रवार	कविता पाठ	कर्मचारी / छात्र
3	14.09.20 / सोमवार	हिन्दी दिवस का आयोजन एवं क्विज प्रतियोगिता	कर्मचारी / छात्र
4	15.09.20 / मंगलवार	सुलेख प्रतियोगिता	प्राथमिक कक्षाएँ
5	16.09.20 / बुधवार	निबंध प्रतियोगिता (राजभाषा हिन्दी का महत्व)	छात्र
6	19.09.20 / शनिवार	स्व रचित कविता लेखन	कर्मचारी / छात्र
7	21.09.20 / सोमवार	चित्रकला/पेंटिंग (प्रकरण - राजभाषा हिन्दी)	छात्र
8	23.09.20 / बुधवार	समापन कार्यक्रम	कर्मचारी / छात्र

हिन्दी अनुरागी छात्रों व कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में बड़े ज़ोर-शोर के साथ भाग लिया तथा प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थानों का भी निर्धारण किया गया।

सभी अध्यापकों ने समापन तक इस कार्यक्रम में पूरा सहयोग दिया। इसके लिए हिन्दी राजभाषा विभाग सभी अध्यापकों को धन्यवाद ज्ञापित करता है।

// इति प्रतिवेदनम //

हिन्दी पखवाड़ा 2020 के विजेता

केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी				
प्राथमिक				
गतिविधि	**कक्षा**	**अनुभाग**	**छात्र का नाम**	**स्थान**
नारा लेखन प्रतियोगिता	2	B	नेत्रा नितीन कुदले	1
	2	B	अभिनव प्रवीण कुदले	1
	4	B	अफान वसीम नदाफ	2
	5	A	प्रीति	3
कविता पाठ	2	A	असद नदफ	1
	2	A	साद दलयत	2
	2	B	आरोही	3
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	3	A	श्रीसाहिल	1
	4	A	आश्रीता	1
	5	B	रोहिअंजूम	1
सुलेख प्रतियोगिता	5	A	त्रीशा	1
	4	B	अफान	2
	5	A	स्नेहा	3
निबंध प्रतियोगिता	5	A	श्रावणी	1
	2	B	अभिनव	2
	5	B	अफान पटेल	3
स्व रचित कविता लेखन	5	B	तन्मश्री	1
	5	B	रितेश चौगुले	2
	5	A	मोहम्मद इहतेश्म	3
चित्रकला	2	B	अभिनव	1
	2	B	नेत्रा	2
	4	A	इफ़रानम	3

हिन्दी पखवाड़ा 2020 के विजेता

केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी

माध्यमिक

प्रतियोगिता का नाम	कक्षा	अनुभाग	छात्र का नाम	स्थान
नारा लेखन प्रतियोगिता	IX	B	दिशा कडपट्टी	1
	IX	A	स्पूर्ती कुंभार	2
	X	A	शताक्षी	3
	VII	B	स्पूर्ती पी जाधव	3
कविता पाठ	IX	A	आशीष कागवाड़े	1
	IX	B	पारस	2
	X	A	तनवी	3
	IX	A	निसर्गा	3
	VIII	B	परिंताज	3
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	VI	A	विष्णु, श्रद्धा	1
	VI	B	सर्वेश	1
	VII	B	फैजान, अस्मिता	1
	VIII	A	प्रतीक	1
	VIII	B	आकाश, सुनिधि, आदित्य	1
	IX	A	राधिका, महेश R	1
निबंध प्रतियोगिता	IX	B	पारस	1
	IX	A	स्पूर्ति	2
	VIII	B	श्रेया पुंडलिक	3
स्व रचित कविता लेखन	X	A	अनुष्का	1
	IX	A	भक्ति	2
	VIII	B	सुषमा	3
	X	A	यूसैरा	3
चित्रकला	VIII	A	सानिका	1
	VII	A	श्रीरक्षा	2
	X	A	भक्ति	3
	VII	B	गणेश हांजी	3

हिन्दी पखवाड़ा 2020 के विजेता

केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी		
कर्मचारीगण		
गतिविधि		**स्थान**
कविता पाठ	श्री मनोज कुमार	1
	श्री रवि सिंह	1
	श्री राजेश पटले	1
	श्री विकास	1
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	श्री विकास	1
	श्री रोहित ,	1
	श्री सौरभ कुमार	1
	श्री पुष्पेंद्र बेनीवाल	2
	श्री राजेश पटले	3
	प्रशांत रमाकांत सुतार	3
स्व रचित कविता लेखन	श्री तारिक रुकडीकर	1
	श्री विकास	1
	श्री रोहित चौधरी	1
	श्री पुष्पेंद्र बेनीवाल	1

श्री सोहन लाल
सचिव
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी

श्री सुधीर शर्मा
अध्यक्ष
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
केंद्रीय विद्यालय चिकोड़ी

हिन्दी पखवाड़ा 2020 की गतिविधियाँ

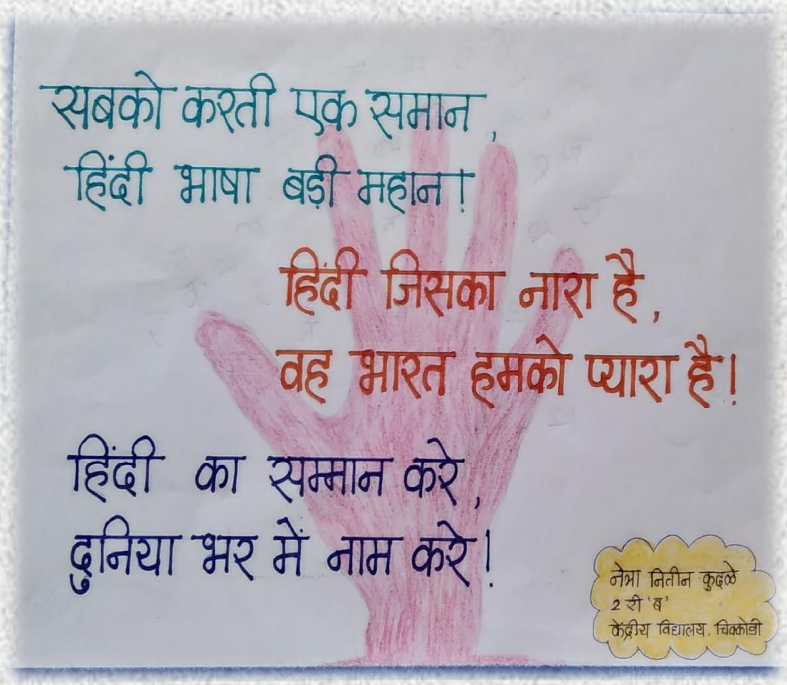

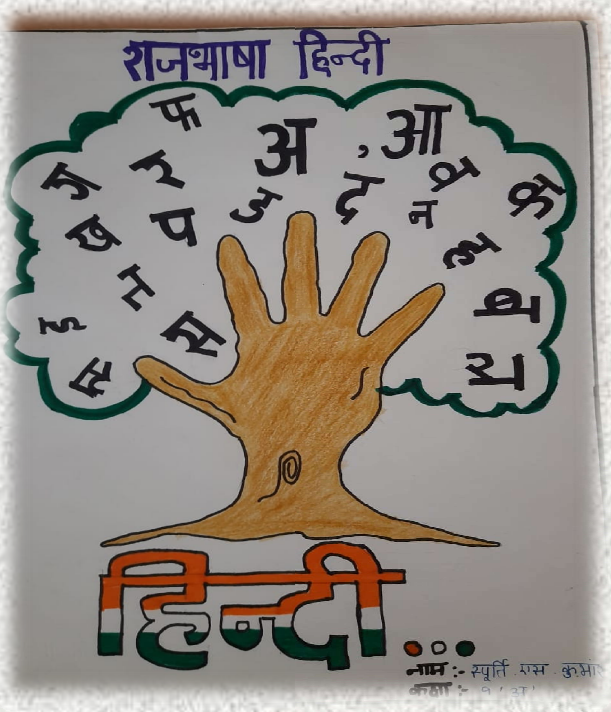

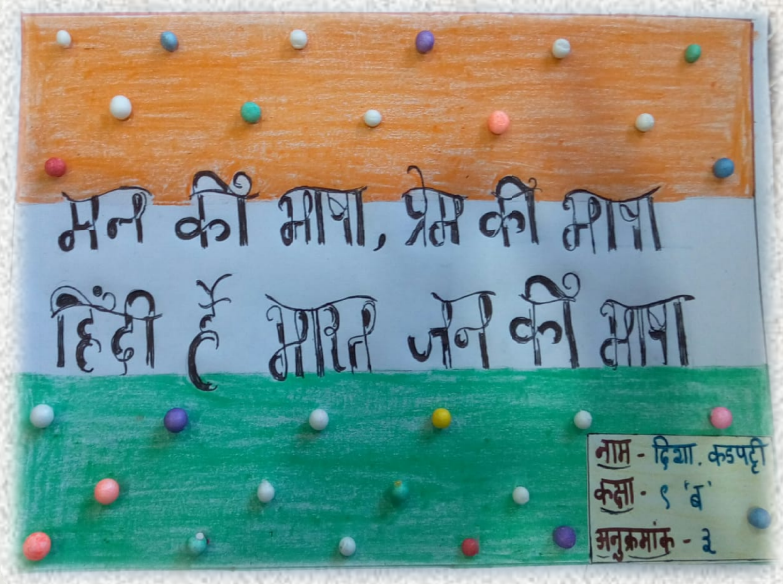

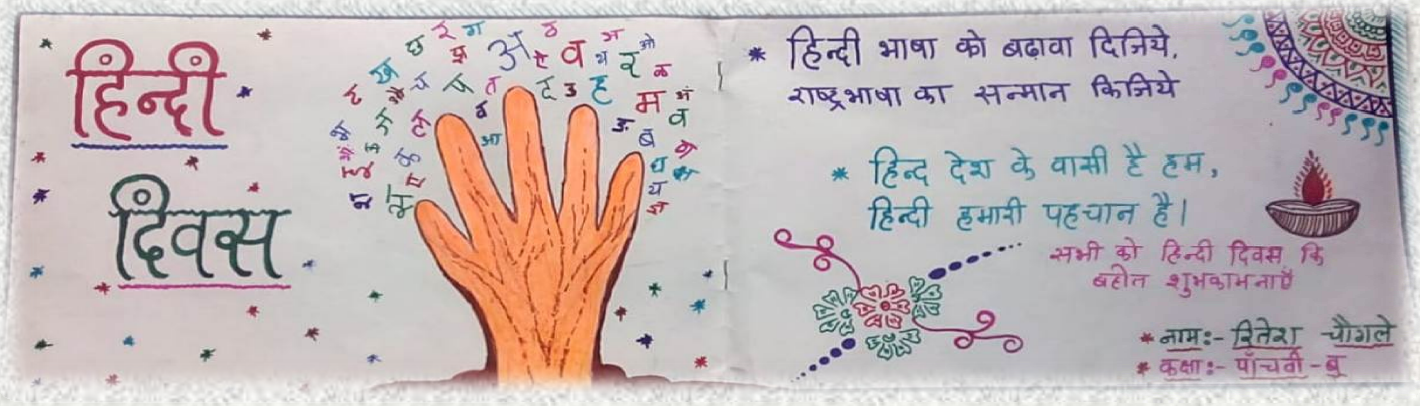

हिन्दी पखवाड़ा 2020 की गतिविधियाँ

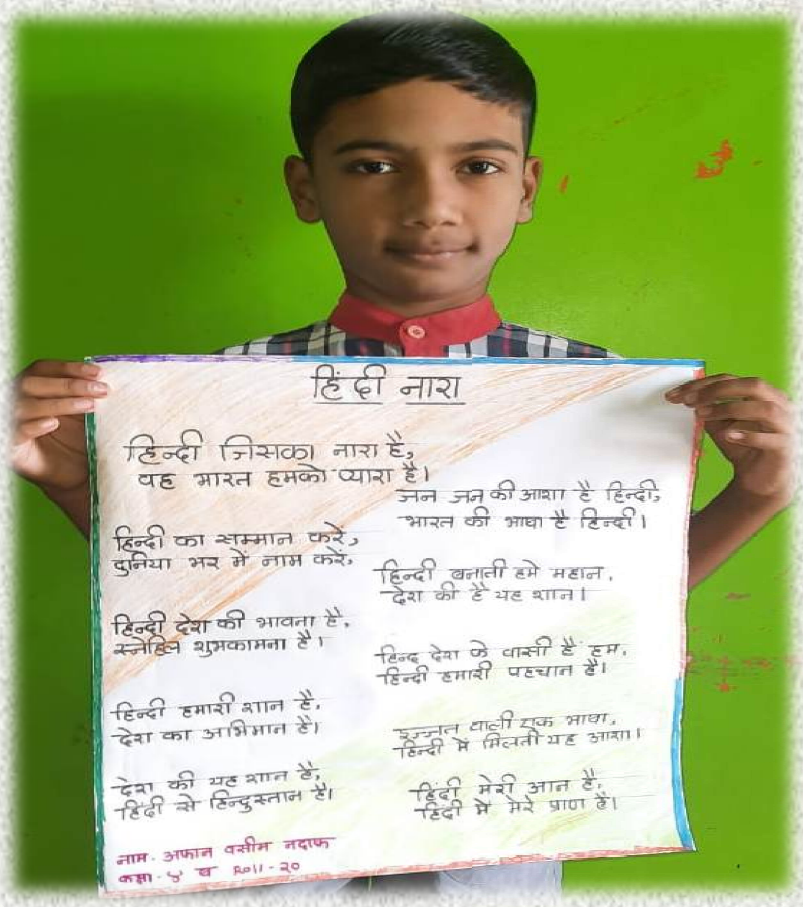

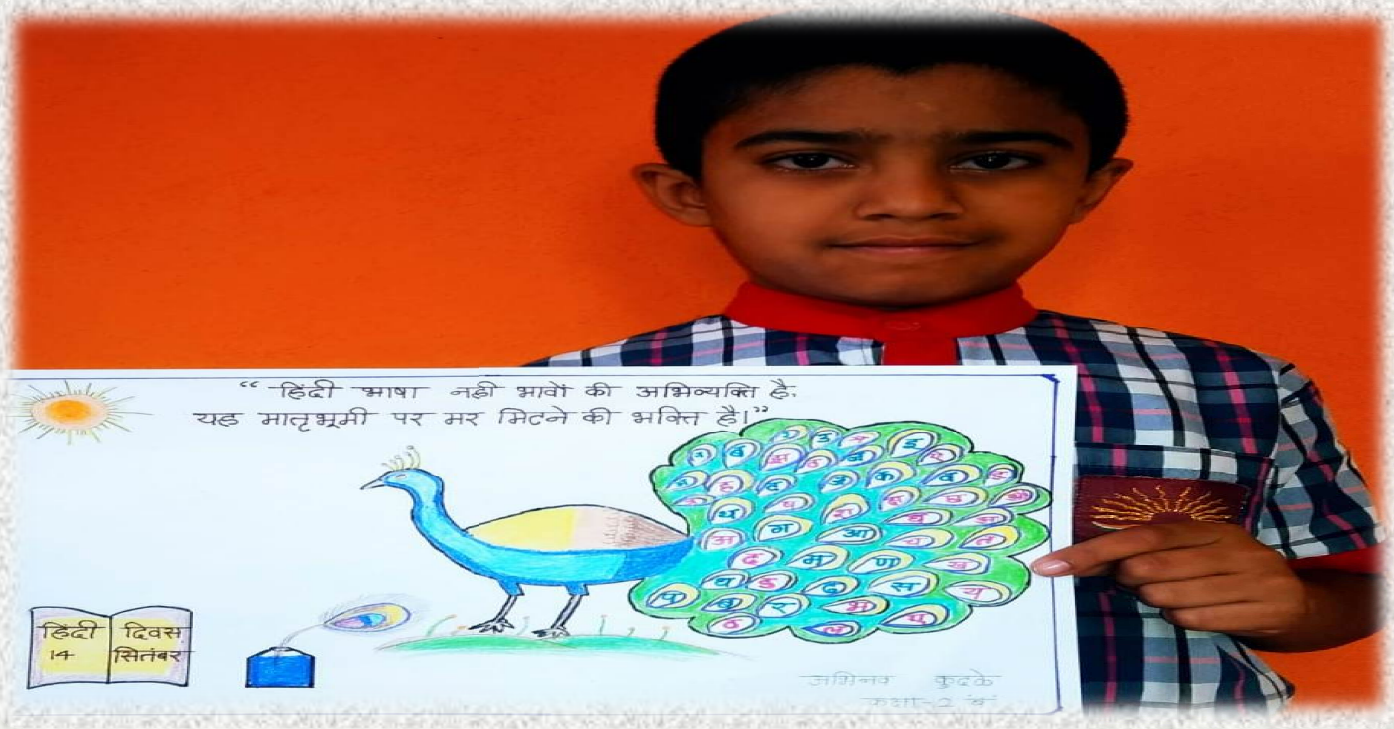

हिन्दी पखवाड़ा 2020 की गतिविधियाँ

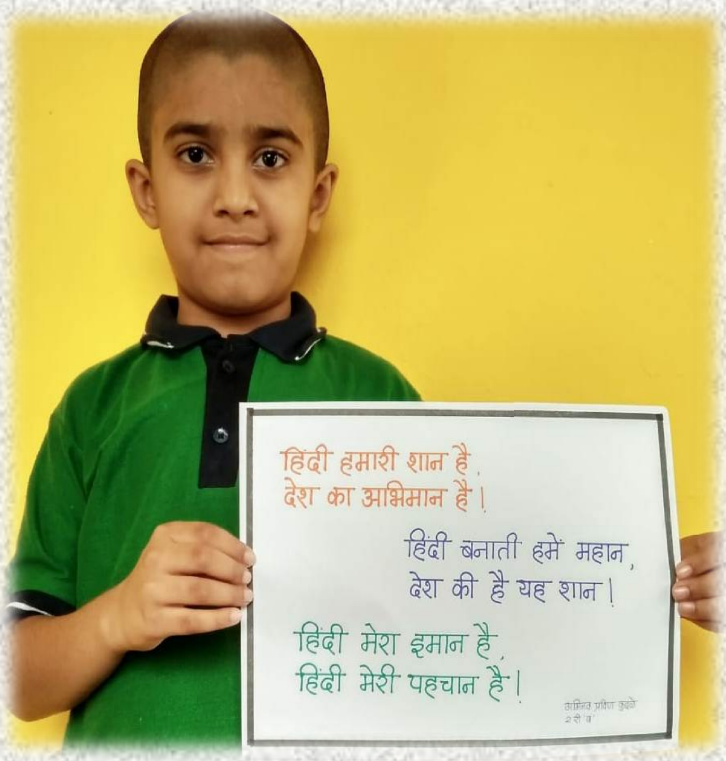

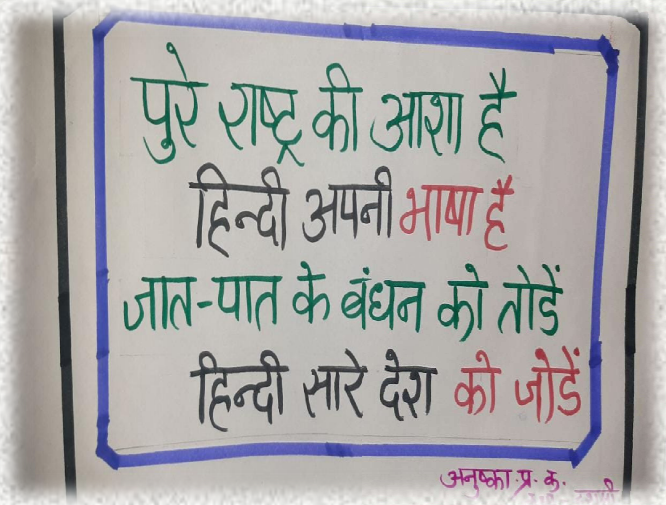

केन्द्रीय विद्यालय चिकोडी
Kendriya Vidyalaya Chikodi
(An Autonomous body under MHRD) Government of India

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

कोविड -19 कोरोना वायरस से बचाव की कहानी, वर्णमाला की जुबानी

प्रस्तुतकर्ता – केंद्रीय विद्यालय चिक्कोड़ी, बेलगावी (कर्नाटक)

संपादक – [1] सोहन लाल (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक – हिन्दी)

[2] महेश कुमार जाँगिड़ (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक – विज्ञान)

{ घर पर रहें, सुरक्षित रहें। }